पेज थ्री देहरादून

हमारा दून

देहरादून बृहस्पतिवार 21 मई 2020 पेज 8

पर्यावरण मित्रों को वंदनीय उपाधि से सम्मानित करते हुए यूथ क्लब के अध्यक्ष शिव वर्मा।

उत्तराखंड में तेजी से बढ़ता जा रहा है कोरोना का ग्राफ

कोरोना संकट

संवाददाता

राज्य में कोरोना के नौ नए मामले, सबसे ज्यादा चार ऊधमसिंहनगर में

प्रदेश में संक्रमितों का आंकड़ा 122 पहुंच गया है

धीरे-धीरे सभी जिले आ रहे है वायरस की चपेट में

उत्तराखंड में दूसरे राज्यों से वापस लौट रहे प्रवासियों की आमद बढ़ने से स्थिति दिन–प्रतिदिन विकट होती जा रही है। अब इनके संपर्क में आए लोग भी संक्रमित पाए जा रहे हैं। पिछले 11 दिन में प्रदेश में कोरोना के 59 मामले सामने आ चुके हैं।

देहरादून। उत्तराखंड में कोरोना का ग्राफ तेजी से बढ़ता जा रहा है। बुधवार को प्रदेश में नौ नए मामले सामने आए हैं, जिनमें एक उत्तराकाशी, एक हरिद्वार, एक अल्मोड़ा, दो नैनीताल, चार ऊधमसिंह नगर जिले में सामने आए हैं। इसके बाद प्रदेश में संक्रमित मरीजों का आंकड़ा बढ़कर 122 हो गया। हालांकि इनमें से 55 लोग स्वस्थ होकर अपने घरों को लौट चुके हैं।

बुधवार को नौ लोगों में कोरोना की पुष्टि हुई है। उत्तरकाशी निवासी युवक 15 मई को अपने तीन साथियों के साथ दिल्ली से वापस लौटा था। संदिग्ध के आधार पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने युवक का सैंपल भेजा था, जिसमें कोरोना की पुष्टि हुई है। इसके साथ ही हरिद्वार के रुड़की का एक शख्स भी संक्रमित पाया गया। वह कुछ दिन पहले ही मुंबई से लौटा था और उसका सैंपल लिया गया था, जिसके बाद उसे होम क्वारंटाइन कर दिया था।

मंगलवार को सामने आए सर्वाधिक 14 मामले

कोरोना के लिहाज से मंगलवार उत्तराखंड पर भारी पड़ा। प्रदेश में पहली बार एक दिन में 16 मामले सामने आए हैं। इनमें सर्वाधिक सात नैनीताल जिले में हैं। इसके अलावा बागेश्वर और पौड़ी जिले में दो–दो और ऊधमसिंह नगर में तीन केस पॉजिटिव आए हैं। साथ ही एक एक मामला उत्तरकाशी और रुड़की का है। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार को 429 सैंपल की रिपोर्ट मिली है। इनमें 415 की रिपोर्ट नेगेटिव है। पौड़ी में कोरोना संक्रमित मिला नैनीडांडा ब्लॉक निवासी 19 वर्षीय युवक दस मई को गुरुग्राम से हल्द्वानी पहुंचा था। ग्यारह मई की रात वह हल्द्वानी से हरिद्वार आया। 13 मई को वह हरिद्वार से कोटद्वार के दशहरा मैदान में पहुंचा, जहां से स्वास्थ्य जांच के बाद उसे बस से घर भेजा गया था। इसमें 22 यात्री सवार थे। 17 मई को उसका सैंपल जांच के लिए भेजा गया था। बताया गया कि घर पहुंचने पर युवक नौ लोगों के संपर्क में आया था, जिन्हें क्वारंटाइन कर दिया गया है। वहीं पौड़ी जिले के श्रीनगर मेडिकल कॉलेज में भर्ती युवक की रिपोर्ट भी देर शाम पॉजिटिव मिली। टिहरी जिले के कीर्तिनगर का रहने वाला यह युवक 10 मई को गुरुग्राम से आया था। सीमांत जनपद उत्तरकाशी में कोरोना का एक और पॉजीटिव केस सामने आया है।

उधर, कुमाऊं में भी कोरोना के मरीजों की संख्या बढ़ गई है। एक ही दिन में 12 मामले पॉजिटिव आए हैं। पॉजिटव केस में ऊधमसिंहनगर के किच्छा में एक 19 वर्षीय युवती और 13 वर्षीय किशोर की रिपोर्ट भी पॉजीटिव आई है। प्रदेश में अब तक 54 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं, जबकि एक महिला की कोरोना के चलते मौत भी हो चुकी है।

संक्षिप्त समाचार

पर्यावरण मित्रों को वंदनीय उपाधि से किया सम्मानित

संवाददाता देहरादून। यूथ क्लब देहरादून उत्तराखंड के तत्वावधान में करतल ध्वनि के बीच पर्यावरण मित्रों का भव्य स्वागत करते हुए पुष्प वर्षा कर वंदनीय उपाधि से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर उन्हे वास्तविक कोरोना वॉरियर्स बताया गया जो कि इस देश व देशवासियों को कोरोना वायरस कोविड 19 से बचने के लिए इस विषम परिस्थिति में देश के रक्षक के रूप में हमारे समक्ष हैं। यूथ क्लब इन्हे वन्दनीय की उपाधि से अलंकारित करता है। इस अवसर पर यूथ क्लब के अध्यक्ष शिव वर्मा अधिवक्ता ने कहा कि हम सभी इनके आभारी है और पर्यावरण मित्रों के लिए सम्मान कुछ भी नहीं है।

रक्त की कमी को देखकर लगाया रक्तदान शिविर

संवाददाता देहरादून। कोरोना वायरस कोविड–19 महामारी के चलते खून की कमी के कारण देहरादून अस्पतालों मे गर्भवती महिलाओ, आपात स्थिति मे आरहे मरीजो के इलाज मे कठनाई होने के कारण भारतीय जनता युवा मोर्चा एवं उत्तराखंड स्कूल वैन एसोसिएशन द्वारा आत्माराम धर्मशाला, कृष्ण नगर में सामूहिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जिसमे 72 यूनिट एकत्र किया गया। उत्तराखंड भाजयुमो उपाध्यक्ष एवं प्रदेश अध्यक्ष उत्तराखंड स्कूल वेन एसोसिएशन सचिन गुप्ता के तत्वावधान में अस्पतालों में रक्त की कमी को देखते हुए सामूहिक रूप से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

प्रवासियों के लिए तहसील एवं ब्लाक मुख्यालय में ही कोरेन्टाइन सैंन्टर बनाये

संवाददाता देहरादून। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष व विधायक प्रीतम सिंह ने कहा है कि प्रवासियों को क्वारेंटाइन करने के लिए प्रदेश सरकार को राज्य में बैस कैम्प में जगह न होने के कारण जिला व ब्लॉक व तहसील स्तर पर स्थापित कर तब सभी को वहां पर क्वारेंटीन किया जाये। अन्य राज्यों से आने वाले प्रवासीजनों के लिए बेस कैम्प में जगह न होने पर जिला, तहसील एवं ब्लाक मुख्यालय में ही कोरेन्टाइन सैंन्टर बनाये जांये, लेकिन इसके लिए अभी तक कोई प्रयास नहीं किये गये है।

झारखंड के श्रमिक अपने घरों को रवाना

संवाददाता विकासनगर। झारखंड के 20 श्रमिक लॉकडाउन की वजह से विकासनगर में फसे हुए थे जो आज अपने घरों के लिए रवाना हो गए । झारखंड के रहने वाले ये 20 मजदूर पिछले दो महीने से लॉक डाउन की वजह से काम बंद होने के कारण अपने घर जाना चाहते थे, लेकिन लॉक डाउन की वजह से नही जा सके।

कोविड 19 अब ग्रीन जोन पहाड़ो में भी दे चुका है दस्तक

संवाददाता देहरादून। कोरोना वायरस कोविड 19 महामारी जो कि अब ग्रीन जोन पहाड़ो में भी दस्तक दे चुका है जिसके लिये राज्य सरकार की नाकामी स्पष्ट दिखती है। कोरोना महामारी के कारण प्रवासियों ने घर वापसी की जो कि अभी तक और भविष्य में जारी रहेगा।

उत्तराखंड क्रांति दल के केन्द्रीय प्रवक्ता सुनील ध्यानी ने कहा है कि राज्य सरकार का खुद कहना है कि ढाई लाख प्रवासी घर वापिसी के लिये आवेदन कर चुका है और सवा लाख तक आ चुका है। उन्होंने कहा कि लगभग जो प्रवासी बाहर से आया वह ज्यादातर रेड जोन से आया है और राज्य सरकार की सबसे बड़ी चूक या नाकामी यह रही कि बाहर से आने वालों के रेपिड रेस्ट सभी का नही कर पायी जिसके कारण कोरोना पहाड़ो तक पहुँच गया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को केंद्र से लगभग पांच 5 लाख रेपिड टेस्ट किट की मांग करनी चाहिए थी, जो भी प्रवासी राज्य में आता उसका रेपिड टेस्ट करके भेजा जाता लेकिन खुद मुख्यमंत्री ऐसे महामारी में सही निर्णय लेने की लिए असक्षम दिखे। उन्होंने कहा कि पहाड़ो में जहां राज्य के इन 20 वर्षो में मूलभूत सुविधाओं का अभाव है ऐसे में कोरोना टेस्ट कहां से हो पाएंगे। दल का स्पष्ट मानना है कि राज्य सरकार केंद्र से अभिलम्ब 5 लाख रेपिड टेस्ट किट की मांग कर बाहर से आने वाले प्रवासियों का टेस्ट करके गंतव्यों को भेजे। उन्होंने कहा कि अगर यह महामारी पहाड़ो में अपना रूप ले लेगी तो राज्य सरकार की ताबूत की कील बनेगी।

गर्मी के साथ ही बढ़ने लगा डेंगू और मलेरिया का खतरा

एडवाइजरी

■ स्वास्थ्य विभाग ने एडवाइजरी जारी की

देहरादून। **संवाददाता**

कोरोना के बीच बेमौसमी बारिश और अब गर्मी बढ़ने के साथ ही मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ रहा है। जिससे डेंगू–मलेरिया का खतरा भी बढ़ गया है। स्वास्थ्य विभाग ने इसे लेकर एडवाइजरी जारी की है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मीनाक्षी जोशी ने सभी निकायों को निर्देश जारी कर वृहद स्तर पर फॉगिंग व लार्वा नाशक दवाओं के छिड़काव को कहा है। इसके अलावा संभावित क्षेत्रों में लोगों को जागरूक भी किया जा रहा है। सीएमओ ने कहा कि डेंगू का मच्छर दिन के समय ही काटता है। ऐसे में पूरी बाजू के कपड़े पहनना चाहिए। जिससे पूरा शरीर ढका रहे। बुखार उतारने के लिए पैरासीटामोल ले सकते हैं। कहा कि डेंगू के रोगी को प्लेटलेट्स की आवश्यकता होती है।

मच्छर रोधी अभियान शुरू: सीएमओ ने कहा कि बुखार आने पर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में अपने खून की जाच कराएं। जिला मलेरिया अधिकारी सुभाष जोशी ने शहर व आसपास निकायों की मदद से मच्छर रोधी अभियान शुरू कर दिया है।

डेंगू के लक्षण: अचानक तेज सिर दर्द और बुखार, मासपेशियों–जोड़ों में तेज दर्द, आखों के पीछे दर्द, जी मचलाना और उल्टी, गंभीर मामलों में नाक, मुंह, मसूड़े से खून और त्वचा पर चकते उभरना।

मलेरिया के लक्षण: अचानक बहुत ठंड लगकर तेज बुखार आने के साथ ही दांत बजना, रोगी का बहुत ओढावन चाहना, शरीर में जलन, सिर और बदन दर्द, पसीना आकर बुखार उतरना।

उत्तराखंड में प्रतिबंधित होंगे 27 कीटनाशक

केंद्र सरकार की ओर से 27 कीटनाशकों को प्रतिबंधित किए जाने की अधिसूचना जारी होने के बाद अब राज्य में भी इन्हें प्रतिबंधित किया जा रहा है। कृषि कार्यों में उपयोग में लाए जा रहे कीटनाशकों से मनुष्य और पशु–पक्षियों व जलीय जीवों पर पड़ रहे असर के मद्देनजर केंद्र सरकार ने विशेषज्ञों से रिपोर्ट मांगी। इसमें बात सामने आई कि 27 कीटनाशकों के इस्तेमाल से मनुष्य, पशु–पक्षियों, जलीय जीवों के लिए जोखिम उत्पन्न हो सकता है। कृषि एवं उद्यान मंत्री सुबोध उनियाल के अनुसार केंद्र सरकार ने अपने गजट नोटिफिकेशन में जिन कीटनाशकों को खतरनाक माना है, उन्हें यहां भी बैन किया जाएगा। इस संबंध में अधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

सभी प्रकार के वाहनों की जिला प्रशासन दे अनुमति: लालचन्द शर्मा

संवाददाता देहरादून। महानगर कांग्रेस अध्यक्ष लालचन्द शर्मा ने जिलाधिकारी दून को पत्र लिखकर कोरोना वायरस कोविड 19 महामारी के चलते लगाये गये लॉक डाउन में जिला प्रशासन द्वारा निजी वाहनों को ऑड–इवन के हिसाब से संचालन की गाईड लाईन जारी करने को अनुचित बताते हुए सभी प्रकार के निजी वाहनों को संचालन की अनुमति दिये जाने की मांग की है। जिलाधिकारी को लिखे पत्र में लालचन्द शर्मा ने कहा कि देहरादून महानगर में वर्तमान में पब्लिक ट्रांस्पोर्ट का संचालन प्रतिबन्धित है तथा नौकरी पेशा लोगों तथा स्थानीय व्यापारियों के आवागमन का एकमात्र साधन उनके निजी वाहन हैं। उन्होंने कहा कि यदि जिला प्रशासन के आदेशों के अनुरूप ऑड–इवन नम्बर के हिसाब से वाहनों का संचालन होता है तो एक वाहन धारक नौकरी करने वाले लोगों तथा स्थानीय व्यापारियों को आवागमन में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है तथा उनका आवागमन बाधित हो सकता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून
से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालय:
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।
फैक्स नं०–
0135-2650558
(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।